ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-I*AUGUST-2013
Periodic Research

रीवा नगर की आन्तरिक व्यावसायिक संरचना एवं विपणन आकारिकी : एक भौगोलिक अध्ययन

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन "रीवा नगर की अन्तरिक व्यावसायिक संरचना पर आधारित है। जिसका का मूल कार्य विपणन सुविधायें प्रदान करने तक दृष्टिगोचर होता है, परन्तु परोक्ष रूप से ये सामाजिक व सांस्कृतिक विकास सूचनाओं के प्रसार तथा नवाचार के भी केन्द्र होते हैं। आंतरिक व्यावसायिक संरचना का तात्पर्य उपलब्ध वाणिज्यिक क्रियाकलापों के वैविध्य एवं स्वरूप तथा आकार से है। रीवा नगर क्षेत्र के अंतर्गत भी विपणन स्थलों जैसे उपरहटी, तरहटी, बिछिया, मलियान टोला आदि मे कच्चे–पक्के मकानों में अर्थात मिश्रित संरचना वाली दुकाने मिलती है। जबकि प्रकाश चौक से विभिन्न दिशाओं की ओर मार्ग के सहारे विकसित विपणन स्थलों में अधिकांशतः पक्की तथा दो मंजिली दुकानों बनी है। इनका कारण यहाँ निवास सघन जनसंख्या एवं उच्च सामाजिक, आर्थिक स्तर के कारण घटित हुआ है। इसके विपरीत इंजीनियरिंग कालेज, रेल्वे स्टेशन (पड़रा), नवीन बस स्टैण्ड, निरालानगर जैसे बाहय विपणन स्थलों में उच्चवर्गीय जनसंख्या के संकेन्द्रण के कारण नियोजित विपणन स्थल अनेक सुविधाओं से वंचित हैं। आन्तरिक व्यावसायिक संरचना में नगर का सी.बी.डी. (कोर एरिया) प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र होता है जहाँ आवश्यकता की ज्यादातर वस्तुएँ उपलब्ध होती हैं। यह नगर का सुपर मार्केट भी कहलाता है। रीवा नगर में शिल्पी प्लाजा क्षेत्र नगर का कोर एरिया है। वर्तमान समय में यह नगर का सी.बी.डी. माना जाता है।

इन्द्रेश द्विवेदी
भूगोल विभाग,
शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
मऊगंज, रीवा (म.प्र.)

बी.के.शर्मा
भूगोल विभाग,
शास.ठा.रण्मत सिंह,
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र.),

मुख्य शब्द : विपणन स्थल, सुपर मार्केट, सी.बी.डी., व्यापारिक प्रतिष्ठान, पदानुक्रम।

प्रस्तावना

बाँधवगढ़ नरेश की राजधानी के नाम से प्रसिद्ध रीवा नगर ऐतिहासिक रूप से व्यवसाय का भी केन्द्र रहा है। चमड़ा उद्योग, लकड़ी का उद्योग, धातु के बर्तन बनाना, बीड़ी उद्योग, मिठाई बानाना आदि यहाँ के परम्परागत व्यवसाय रहे हैं, जो इस नगर की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किये हैं। नगर की स्थिति गंगा–यमुना के उत्तरी मैदान एवं दकन प्रायद्वीप के जोड़ने में प्रवेश द्वार जैसी है। रीवा नगर विश्व के मानचित्र पर 24°32′ उत्तरी अक्षांश एवं 81°15′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है तथा समुद्र तल से ऊंचाई 316 मीटर है। इसकी नगरीय सीमा के 52.57 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से वर्तमान में केवल 438.6 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ही विकसित है तथा नगर की कुल जनसंख्या 183232 है। नगर का विस्तार उत्तर में विश्वविद्यालय बाईपास से दक्षिण में कुठुलिया तथा पूर्व में जिउला से पश्चिम में चोरहटा बाईपास तक विस्तृत है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य में मुख्य रूप से स्थल परीक्षण पर आधारित प्राथमिक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अवश्यक जानकारियों लिए द्वितीयक आंकड़ों का भी प्रयोग किया गया है जिसके आधार पर शोध पत्र का विश्लेषण किया गया है।

विपणन आकारिकी

रीवा नगर के अन्तःनगरीय विपणन स्थलों के वितरण प्रतिरूप और उनके पदानुक्रम वर्गों का अध्ययन करने के पश्चात् यह स्पष्ट होता है कि यहाँ पदानुक्रम और क्षेत्रीय संलग्नता के आधार पर विपणन स्थलों के तीन वर्ग बनते हैं। उच्चकोटि के विपणन स्थलों का संकेन्द्रित प्रतिरूप शिल्पी प्लाजा क्षेत्र में है, यहाँ शिल्पी प्लाजा से विभिन्न दिशाओं की ओर जाने वाली सड़कों के किनारे रेखीय प्रतिरूप में विपणन स्थलों का विकास हुआ है। ठीक सड़क के अग्र भाग पर दुकानें और पिछले भागों में आवासीय क्षेत्र हैं। यहाँ दुकानों की बहुत अधिकता है। मुख्य सड़क के अगल–बगल द्वितीय श्रेणी के मार्गों तथा गलियों में भी दुकानें मिलती हैं। ऐसी स्थिति में आवासीय क्षेत्र दूसरी, तीसरी मंजिल पर

पाया जाता है। शिल्पी प्लाजा के विपणन स्थलों में दुकानों की संख्या और उनके प्रकार औसत से अधिक हैं। इसलिये इनकी आन्तरिक व्यावसायिक संरचना बाहरी विपणन स्थलों से बिल्कुल अलग ह। इसके ठीक विपरीत द्वितीय कोटि के पदानुक्रम वाले विपणन स्थल सिरमौर चौराहा के चतुर्दिक, अस्पताल चौराहा के चतुर्दिक एवं स्टेचू चौराहा के चतुर्दिक फैले हुए हैं। यहाँ भी सड़कों के सहारे रेखीय रूप में ही विपणन स्थलों का विकास हुआ है। शिल्पी प्लाजा की अपेक्षा यहाँ अधिक चौड़ी सड़कें हैं। उनके किनारे दुकानों के लिये विस्तृत खुला क्षेत्र मिला है, इसीलिये अधिकांश दुकानें एक मंजिली हैं और उनकी संरचना पक्की है। इसी तरह यहाँ मिलने वाले दुकानों की संख्या और प्रकार दोनों कम हैं क्योंकि स्थानीय जनसंख्या के सामाजिक–आर्थिक स्तर और विभिन्न सुविधाओं की प्रकृति के अनुसार दुकानों के कार्य और प्रकार निर्धारित हो रहे हैं। पदानुक्रम के तृतीय वर्ग के अन्तर्गत परिधीय विपणन स्थल हैं, जो सड़कों के किनारे विशेष रूप से क्रासिंग पर उभड़ते बिन्दु के रूप में विकसित हो रहे हैं। इनको दूसरी विशेषता विभिन्न सुविधाओं के पास स्थित होने के कारण दुकानों के प्रकार सुविधाओं की प्रकृति के अनुसार है। यहां भी इनकी स्थलीय संरचना खुला क्षेत्र अधिक होने के कारण बड़े आकार वाली दुकानों से प्रभावित है। एक अन्य उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अधिकांश दुकानें छोटे आकार में या एक कमरे में हैं क्योंकि यहाँ व्यापारी वर्ग भी निम्न स्तरीय है और वहाँ सम्पादित किये जाने वाले कार्य भी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार हैं। रीवा नगर के प्रमुख विपणन स्थलों की जानकारी सारणी द्वारा व्यक्त की गई है–

रीवा नगर – प्रम्ख विपणन केन्द्र में दुकानों का प्रतिशत

क्र.	दूकानों के प्रकार	प्रतिशत					
		शिल्पी प्लाजा	स्टेचू चौराहा	अस्पताल चौराहा	धोबिया टंकी	सिरमौर चौराहा	बस स्टैण्ड
1.	कपड़ा	68	5	2	3	8	5
2.	किराना	1	14	8	10	13	2
3.	फुटवियर	12	6	8	11	9	3
4.	सब्जी	00	18	8	6	10	2
5.	बर्तन	1	17	6	11	7	5
6.	मनिहारी	6	7	5	5	14	4
7.	खाद्यान्न	00	2	8	7	13	4
8.	दवाई	1	1	40	05	20	1
9.	मोबाइल	3	3	5	6	10	7
10.	इलेक्टिक एवं इलेक –ट्रानिक्स	4	3	4	15	8	9
1.	अन्य	4	24	6	21	14	58
योग		**100**	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

स्रोत – क्षेत्र सर्वेक्षण 2011–12

उक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रीवा नगर में शिल्पी प्लाजा विपणन क्षेत्र की तरह सबसे ज्यादा दूकाने होजरी एवं कपड़ा की हैं, जिनका प्रतिशत 68 है। जिससे स्पष्ट होता है कि शिल्पी प्लाजा बाजार बनने के पहले भी यह क्षेत्र कपड़ा एवं होजरी का ही बाजार रहा है। चूँकि सुनियोजित नगरीय विकास में किसी भी वाणिज्यिक क्षेत्र में एक ही वस्तु की प्रधानता रहती है। इस व्यापारिक क्षेत्र में सबसे ज्यादा कपड़े की दूकाने हैं जिसका कारण यह पूर्व से ही कपड़ा बाजार केन्द्र रहा है जिसमें दीप काम्प्लेक्स, मार्तण्ड काम्प्लेक्स, कलामंदिर रोड आदि अच्छे कपड़ा व्यापार केन्द्र रहे हैं तथा बड़ी–बड़ी साज–सज्जा से युक्त दूकाने रही हैं जिनमें 98 प्रतिशत सिंधी व्यापारियों का आधिपत्य रहा है। वर्तमान में भी इस वाणिज्यिक क्षेत्र में 90 प्रतिशत सिंधी ही व्यापार कर रहे हैं प्रकार चाहे जो हो। सबसे कम इस क्षेत्र के मेडिकल स्टोर्स की संख्या जो कुल दूकानों का 1 प्रतिशत है, जिसका प्रमुख कारण पूर्व में नजदीक अस्पताल चौराहा है। इसी प्रकार स्टेचू चौराहा को देखा जाय तो यहाँ सबसे ज्यादा सब्जी की दूकाने 18 प्रतिशत हैं जबकि अन्य समस्त वस्तुओं को जोड़कर 24 प्रतिश दूकाने होती हैं। यहाँ से फोर्ट रोड तरफ जाने पर बर्तन बाजार पड़ता हैं जो यहाँ का 24 प्रतिशत बाजार अधिग्रहीत करता है। यहाँ किराना व्यापार भी रीवा नगर में सबसे ज्यादा संचालित जिसमें थोक एवं फटकर व्यापारी सम्मिलित हैं जिसमें कुल बाजार का 14 प्रतिशत व्यापार होता है। अस्पताल चौराहे में देखा जाय तो सबसे ज्यादा दवा के दूकानो का प्रतिश 40 है जो कि लाजमी भी है क्योंकि वहीं पर संभाग का सबसे प्रमुख अस्पताल गाँधी मेमोरियल, संजयगाँधी एवं मेडिकल कालज के अलावा निजी चिकित्सालय भी संचालित हैं। सिरमौर चौराहे में भी सबसे ज्यादा दवा की 20 प्रतिशत दूकाने हैं। इसके अलावा मनिहारी की 14 प्रतिशत तथा खाद्यान्न एवं किराना

ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-I*AUGUST-2013
Periodic Research

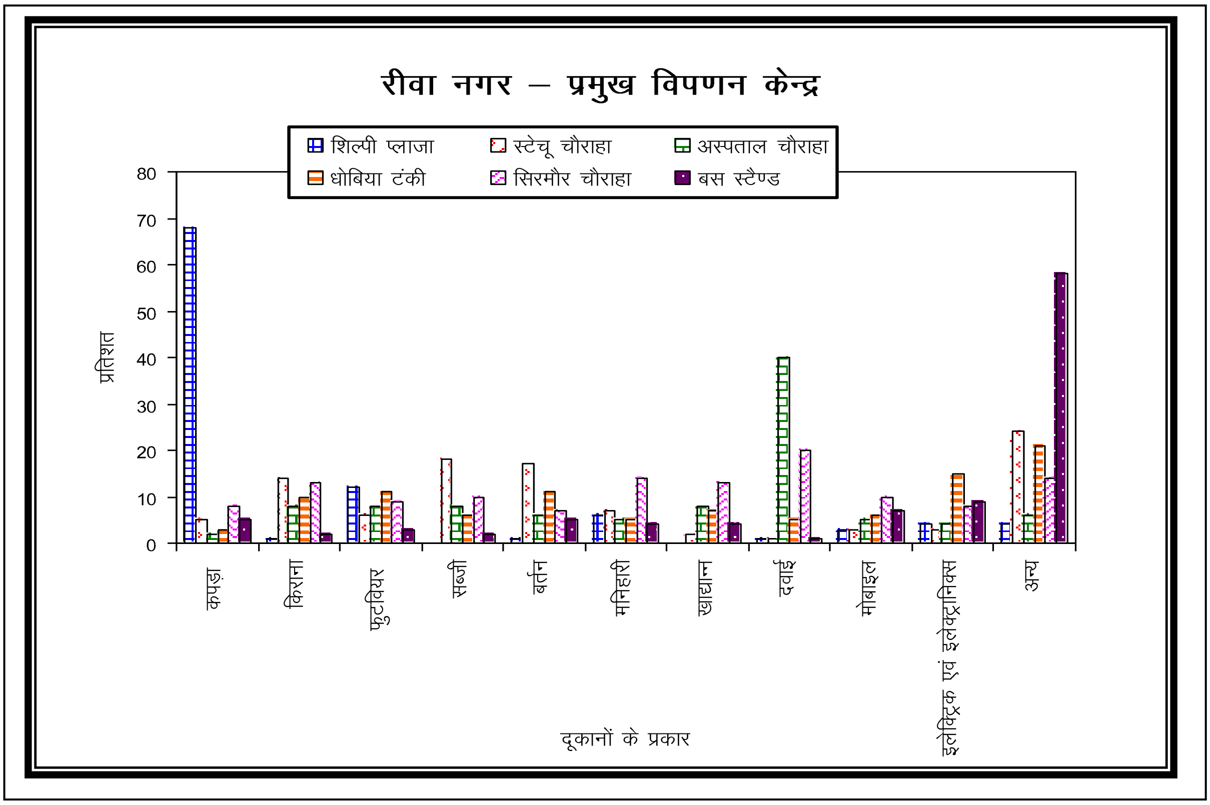

की 13 प्रतिशत दूकाने हैं। इसी प्रकार बस स्टैण्ड भी रीवा नगर का प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र है यहाँ जिला एवं संभाग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों का निरंतर आना जाना होता है जो यहाँ से वस्तुओं को क्रय कर अपने आवश्यकता की आपूर्ति करते हैं। यहाँ सबसे ज्यादा मशीनरी की एवं रिपेयरिंग की दूकाने हैं जो सारणी में अन्य के नाम से हैं। इनका प्रतिशत 58 है। इसके पश्चात यहाँ विभिन्न तरह का व्यापार होता है जिसका प्रतिश 1–10 के बीच है।

प्रमुख विपणन स्थलों की आकारिकी :

नगर के प्रमुख विपणन स्थल एवं उनकी आकारिकी इस प्रकार है –

1. शिल्पी प्लाजा क्षेत्र :

यह विपणन क्षेत्र रीवानगर में कोर (Core) के रूप में विकसित हुआ है। वर्तमान समय में यह नगर ना सी.बी.डी. माना जाता है। नगर में सबसे ज्यादा कपड़ा, होजरी, कम्प्यूटर, मोबाइल, ए.टी.एम. मशीन, ज्वेलरी, इलेक्ट्रानिक्स, फुटवियर, टेलरिंग, श्रृंगार, ब्यूटी पार्लर आदि का केन्द्रीकरण यही हुआ है। पहले यह कोठी कम्पाउण्ड के नाम से जाना जाता था तथा रियासतकालीन बिल्डिंग में ज्यादातर कार्यालय स्थापित थे। वर्तमान में यह म.प्र. का सुपर मार्केट बन गया है। इसके पूर्वी एवं दक्षिणी भाग में विस्तृत बाजार क्षेत्र है परन्तु उत्तरी पश्चिमी भाग में व्यापारिक प्रतिष्ठानों की कमी है। पश्चिमी भाग में वाहन पार्किंग के लिए जगह छोड़ी गई है तथा इस 4 मंजिला इमारत की ऊपर के दो तलों में विभिन्न सरकारी कार्यालय स्थापित हैं जिनके लिए मार्ग एवं पार्किंग स्थल बनाया गया है। इसके दक्षिणी भाग में प्रकाश चौक, उत्तरी भाग में कालेज चौक तथा दक्षिणी–पश्चिमी भाग में स्टेचू चौराहा स्थित है। पश्चिमी भाग में गंगाकछार (सिंचाई विभाग) का मुख्य कार्यालय है एवं न्यायालय तथा उसके पश्चिम में जिला एवं सत्र न्यायालय है। इसके पूर्वी भाग में आवासीय स्थित है जिसकी सघनता 700 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर है।

आकारिकी एवं व्यावसायिक संरचना :

शिल्पी प्लाजा क्षेत्र रीवा नगर के वाणिज्यिक कार्य का हृदय स्थल है। यहाँ का सड़क मार्ग डिवाइडर बनाकर टू लेन में विभाजित किया गया है तथा दोनों ओर बड़ी–बड़ी दूकाने हैं जो आधुनिक साज–सज्जा से परिपूर्ण हैं। शिल्पी प्लाजा चौक से प्रकाश चौराहा तक दोनों ओर सिर्फ दूकानें हैं। शिल्पी प्लाजा की बिल्डिंग में अंदर भी गैलरी बनाकर दूकानें बनाई गई हैं। शोधार्थी द्वारा सम्पूर्ण बिल्डिंग का सर्वे करने से ज्ञात हुआ कि इस नगर का लगभग 10–15 प्रतिशत बाजार अकेले इस बिल्डिंग में संचालित होता है। यहीं से पूर्व की ओर जाने पर प्रियदर्शिनी सिनेमा हाल है जो वर्तमान में बंद है। इस रोड के सहारे भी दोने तरफ सिर्फ व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं। आगे रीवा राज घराने का राजनिवास होटल है तथा सड़क के दक्षिण तरफ उत्सव राजविलास मैरिज लान है। यही सड़क आगे (पूरक की ओर) जाकर अस्पताल चौराहा से सिरमौर चौराहा वाली मेन रोड में मिल जाती है।

2. स्टेचू चौराहा :

यह शिल्पी प्लाजा क्षेत्र से दक्षिण की ओर जाने पर मिलने वाला व्यापारिक चौराहा है। यहां पर व्यापारिक

प्रतिष्ठानों की बहुलता है परन्तु सघन एवं सकरा बहुत हैं। इसके चतुर्दिक सिर्फ दूकाने ही है। यहां भी दो मंजिला दूकाने देखने को मिलती है। इसके दक्षिण की ओर जाने वाले मार्ग को फोर्ट रोड के नाम से जाना जाता है जो किला तक जाता है। इस मार्ग में मुख्य रूप से सर्राफा बाजार एवं बर्तन बाजार है। इसके अलावा अन्य वस्तुओं की भी दूकाने हैं जैसे कपड़ा, होजरी, बैट, अटैची, श्रृंगार, क्राकरी, फुटवियर, जनरल स्टोर, होटल, हार्डवेयर एवं अन्य। पूर्व की ओर इस मार्ग का विस्तार अस्पताल चौराहा के निकट तक है तथा पश्चिम में जय स्तंभ चौराहा तक। इस मार्ग की सभी दूकाने सड़क मार्ग से सटी हैं कही भी वाहन खड़ा करने की जगह नहीं है। दूकान के सामने अगर थोड़ी जगह है तो उसमें वह अपने दूकान की वस्तुओं को दिखावा के लिए लगा देते हैं। यहां की दूकानों में ऋतुवत सामग्री बहुतायत में मिलती है जैसे बरसात के समय – पन्नी, छाता, ठंड के समय ऊलन कपड़े, गर्मी के समय शादी ब्याह के कपड़े एवं गमछा। इसके अलावा लोग ठेला और गुमटियों के सहारे ऋतुवत वस्तुओं का सड़क के किनारे व्यापार करते हैं जैसे – ईद के समय पर सेवई, गर्मी में आम, बरसात में जामुन एवं केला, बसंत में बेर, अंगूर एवं चीकू तथा अन्य।

दूकानों के प्रकार एवं संख्या :

स्टेचू चौराहा रीवा नगर के वाणिज्यिक क्षेत्र का केन्द्र है। इसके चतुर्दिक सिर्फ दूकाने ही नजर आती है जो बिल्कुल सड़क से सटी हुई है। यहां पर सबसे ज्यादा होजरी एवं रेडीमेड कपड़ों की दूकाने हैं। इसके अलावा विभिन्न तरह की दूकानें व्यावसायिक क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित है ।

3. अस्पताल चौराहा :

रीवा नगर के इस चौराहे का नाम यहां पर संचालित होने वाली कार्यों के आधार पर ही रखा गया है। यहां पूर्व से ही गांधी मेमोरियल अस्पताल स्थापित है जो संभाग का सबसे बड़ा अस्पताल रहा। वर्तमान में इसी से लगा हुआ संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय भी बन गया है जो एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी अस्पताल (बिल्डिंग के मामले में) है। इस चौराहे के चतुर्दिक दवाओं की ही दूकाने नजर आती है। नजरीय अवलोकन एवं सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि यहां का वाणिज्यिक कार्य अस्पताल में आने जाने वाले लोगों की मांग पर संचालित हैं जबकि आन्तरिक भाग में विभिन्न तरह की दूकाने संचालित हैं जो लोगो की आवश्यकता की आपूर्ति करती है। चौराहे से उत्तर तरफ की रोड सिरमौर चौराहा से जोड़ती है जिसके दोनों किनारों में दूकाने बनी है। पूर्व की ओर अस्पताल बनी है। दक्षिण की ओर अधिकतर दवाओं की ही दूकाने हैं। इसके अलावा अन्य अत्यावश्यक वस्तुओं की भी दूकाने हैं जैसे होटल, फल की दूकाने, प्लास्टिक के बर्तन, जनरल स्टोर आदि। पश्चिम की ओर जाने वाली सड़क, प्रकाश चौराहा, स्टेचू चौराहा होते हुए जय स्तंभ चौक के पास नेशनल हाइवे नं. 7 में मिल जाती है। सड़क के दोनो किनारों में दूकाने बनी हैं यहाँ काफी भीड़–भाड़ वाला क्षेत्र है। वाहन पार्किंग को कहीं जगह नही है। इस ओर दवाएं, सायकल, प्लास्टिक के सामान, मशाला, जनरल स्टोर, मनिहारी, कपड़ा, होजरी, जूता–चप्पल, चश्मा, गिफ्ट सेंटर, बिजली के सामान, होटल रेस्टोरेंट, फल, स्टेशनरी आदि वस्तुओं की दूकाने हैं।

अस्पताल चौराहा में सबसे ज्यादा मेडिकल स्टोर (दवाइयों की दूकानें) हैं। जिसका कारण यहां पर गांधी मेमोरियल, संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय तथा इसके चतुर्दिक निजी संचालित चिकित्सालय हैं। अस्पताल के पूर्वी क्षेत्र में डाक्टर कालोनी है जहां डाक्टर अपने बंगलें में सुबह–शाम मरीजों को देखते हैं जो यहीं से (अस्पताल चौक) दवाएं खरीदते हैं। इस क्षेत्र में 72 मेडिकल स्टोर हैं जो नगर के एक क्षेत्र में सबसे ज्यादा है तथा इस क्षेत्र की कुल दूकानों में इनका प्रतिषत सबसे ज्यादा 4 है जिसका प्रमुख कारण नजदीकी सरकारी अस्पताल है। इन दूकानों के अलावा अस्पताल के मुख्य गेट एवं अन्य गेट क सामने चाय, पान, फल, प्लास्टिक की वस्तुएं एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं के विक्रय के लिए छोटे व्यापारी अपना ठेला लगाए रहते हैं। यहाँ पर सबसे कम प्रतिशत इलेक्ट्रानिक्स की दूकानों का है जिनका सम्पूर्ण दूकानों से प्रतिषत 4 है।

4. धोबिया टकी चौराहा :

यह विपणन केन्द्र अस्पताल चौराहा से पूर्व की ओर जाने पर संजय गाँधी अस्पताल मुख्य गेट से पूर्व में स्थित है। यहाँ पर बहुत बड़ी पानी की टंकी बनी है जिसके कारण इसे धोबिया टंकी चौराहा के नाम से जाना जाता है। यन नगर की दक्षिणी छोर का प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है। इससे पूर्व की ओर जाने पर सीधी रोड, दक्षिण को शहडोल रोड, पश्चिम को रानी तालाब रोड तथा उत्तर को अस्पताल चौराहा एवं शहर की जाने वाली रोड है। इस व्यावसायिक केन्द्र में 20 से 30 किलोमीटर तक के उपभोक्ता क्रय–विक्रय के लिए आते हैं।

5. सिरमौर चौराहा :

सिरमौर चौराहा विपणन स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग 7 पर स्थित रीवा नगर का विस्तृत भू–भाग में फैला हुआ प्रमुख विपणन केन्द्र है जो आधुनिक रूप से विकसित सजी दूकानों के कारण आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। इसके चतुर्दिक सिर्फ दूकाने ही नजर आती है। इस चौराहा में सुधार न्यास द्वारा बनवाई गई बहुमंजिला इमारत–तानसेन काम्प्लेक्स एवं चौराहा के पूर्व दक्षिण में निजी व्यक्ति द्वारा निर्मित रमागोविन्द पैलेस इस चौराहे में चार चाँद लगा देते हैं। चौराहे से पूर्व में नेशनल हाइवे से लगी दूकानें हैं जो निरंतर रतहरा तक मिलती हैं। पश्चिम में कालेज चौराहा तक दूकाने हैं। उत्तर में खुटेही तथा दक्षिण में अस्पताल चौक तक व्यापारिक दूकाने है। इस चौराहे का प्रभाव चतुर्दिक 1.5 कि.मी. तक है। यहां पर विभिन्न तरह की वस्तुओं का व्यापार होता है। यह नगर का बहु वाणिज्यिक (Multi Commercial) क्षेत्र है। यहां प्रधानता किसी भो वस्तु की नहीं है, जबकि उपलब्धता प्रत्येक वस्तु की है यही इसकी विशेषता है।

सिरमौर चौराहे का प्रभाव क्षेत्र पूर्व में बजरंग नगर तक, पश्चिम में कालेज चौराहा तक, उत्तर में खुटेही एवं दक्षिण में अमहिया तक है। रीवा नगर में यही एक ऐसा

स्थान है जहां पांचवे मंजिल तक किसी बिल्डिंग में व्यावसायिक कार्य सम्पादित होता है। यहां पर सम्पूर्ण दूकाने पक्की हैं तथा सड़क मार्ग पर्याप्त चौड़ा है। विपणन व्यवस्था में यहां मेडिकल स्टोर, स्टेशनरी, जनरल स्टोर, क्राकरी, बरतन, कपड़ा, स्टेशनरी, इंजीनियरिंग वर्क्स, हार्डवेयर, कम्प्यूटर, मोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रिकल, झोला बैग, मोबाइल, होटल, फर्नीचर, प्लास्टिक वस्तुएं, दूध, खोवा, पनीर, घड़ी, जूस सेंटर, किराना, फल, तथ सब्जी आदि वस्तुओं की विभिन्न दूकाने है। यहां कई निजी अस्पताल संचालित है एवं कई सरकारी एवं गैर सरकार डाक्टर अपना क्लीनिक खोले हुए हैं। इन सबके अलावा यहां कई विभागों (सरकारी एवं गैर सरकारी) के कार्यालय जैसे – पोष्ट आफिस, आई.जी. आफिस, पी.डब्लू.डी. आफिस, नगर निगम आफिस, जीवन बीमा आफिस आदि है। यही पर बने रमागोविन्द पैलेस (बहुमंजिला इमारत) में कई कोचिंग सेंटर एवं मेडिकल एजेन्सी हैं तथा कई निजी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कार्यालय है। व्यापारिक दृष्टि से यह इमारत नगर की शान मानी जाती है। रीवा संभाग में इतने कोचिंग सेन्टर कहीं नहीं होंगे जितने अकेले रमागोविन्द पैलेस में है।

6. बस स्टैण्ड :

अध्ययन क्षेत्र रीवा नगर का यह प्रमुख स्थान है, जहां पर विभिन्न जिलों, राज्यों से बसों का एवं यात्रियों का आवागमन होता है। रीवा नगर का यह प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है, जो नेशनल हाइवे नं. 7 से लगा हुआ है। यह भौगोलिक दृष्टि से बीहर नदी के पूर्व में स्थित है। यहां पर बहुतायत मात्रा में व्यापरिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान है। इसके चारों ओर दुकाने ही नजर आती है। अधिकतर दुकाने एक मंजिला ही परंतु कुछ दुकाने दो मंजिला भी है। इससे पश्चिम की ओर जाने वाले मार्ग पर जय स्तंभ चौक पड़ता है, जहां पर व्यंकट रोड आकर मिलती ह। यही से एक रोड बड़ी पुल तरफ जाती है। पूर्व में इसका प्रभाव झिरिया नाला एवं खन्ना चौराहा तक है, जहां आटोपार्ट की बहुतायत मात्रा में दुकाने है। बस स्टैंड के चतुर्दिक 90 फीसदी दूकाने मशीनरी एवं कृषि उपकरण की है। 10 प्रतिशत में होटल, फल, स्टेशनरी, टायर–ट्यूब, चमड़ा एवं अन्य है। यहां पर सड़क के उत्तरी क्षेत्र में मोटर–गैरेज, रिपेयरिंग का काम इंजीनियरिंग वर्क्स का काम बहुतायात मात्रा में होता है, जबकि स्टैण्ड के दक्षिण तरफ मशीनरी, कृषि उपकरण, स्टेशनरी एवं इलेक्ट्रिकल्स की दूकानें है।

निष्कर्ष :

उपर्युक्त विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि विपणन स्थलों की संरचनात्मक विशेषताओं और व्यावसायिक आकारिकी के अनुसार विभाजन तर्क संगत हैं। इसलिये संरचना और आकारिकी का गहन विश्लेषण करने हेतु विभिन्न वर्गों से प्रतिदर्श विपणन स्थलों का चयन किया गया है। इनमें शिल्पी प्लाजा, प्रकाश चौराहा, अस्पताल चौराहा, सिरमौर चौराहा, बस स्टैण्ड, धोबिया टंकी बाजार केन्द्रीय विपणन स्थल क्षेत्र से, बस स्टैण्ड उपकेन्द्रीय विपणन स्थल क्षेत्र से, धोबिया टंकी परिधिय क्षेत्र से चुने गये हैं। ये नगर के प्रमुख व्यावसायिक केन्द्र हैं। यहाँ हर मौसम में लोगो की भीड़ लगी रहती है क्योंकि इन विपणन केन्द्रों में नगर के अलावा दूरस्थ आंचलों के ग्रामीण व्यावसायिओं एवं उपभोक्ताओं का निरंतर आना होता है। इन विपणन आवश्यकता की ज्यादातर वस्तुएं तो उपलब्ध हो जाती हैं परन्तु यहाँ प्रशासनिक एवं सफाई व्यवस्था की कमी के कारण इन व्यावसायिक केन्द्रों की सुन्दरता में ग्रहण लग जाता है। अतः इस क्षेत्र में विशेष सुधार की जरूरत है।

सन्दर्भ :

1. त्रिवेदी वेणु, इन्दौर जिले के आवर्ती विपणन केन्द्रों का भौगोलिक अध्ययन, पी–एच.डी. शोध ग्रन्थ, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर 1990.
2. डॉ. चन्द्रषेखर सिंह, अन्तःनगरीय विपणन भूगोल, एसोसियेशन ऑफ मार्केटिंग ज्योग्राफर्स ऑफ इण्डिया, गोरखपुर पृ. 137–139.
3. शर्मा, बी.के.– रीवा जिले के आवर्ती विपणन केन्द्र एवं केन्द्र स्थलों का भौगोलिक अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर (म.प्र.)
4. Ramchandrana, H., Village Clusters and rural development, concept, New Delhi, 1980.
5. Dixit R.S. "On the Delimitation of the umland of Meteropolis Kanpur" National Geographer, XIII, 1977.